**खबर संक्षेप**

### खुले में बनी खदानें, बच्चों के लिए बन रही कब्रः प्रशासन की लापरवाही से बढ़ रही मौतें

सतना

खुले में छोड़ी गई पत्थर व अनय खदानें अब मासूम बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो रही हैं। पिछले कुछ समय में इन खदानों में डूबने से कई बच्चों की मौत हो चुकी है,जिसके बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश और चिंता का माहौल है। ये खदानें,जो रेत,गिट्टी या पत्थरों के अवैध उत्खनन के बाद यूँ ही छोड़ दी जाती हैं,बारिश के पानी से भरकर तालाब का रूप ले लेती हैं। इन गहरी और असुरक्षित खदानों के पास न तो कोई चेतावनी बोर्ड लगा है और न ही इन्हें चारों तरफ से घेरा गया है, जिससे बच्चे खेलते-खेलते आसानी से इनकी चपेट में आ जाते हैं। हाल ही में,जिले के एक नागौद में एक बच्चा ऐसी ही एक खदान में गिरकर डूब गया। यह घटना अकेली नहीं है; ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जहाँ छोटे बच्चों ने इन खतरनाक गड्ढों में अपनी जान गंवाई है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार स्थानीय प्रशासन और खनन विभाग से इन खदानों को बंद करने या सुरक्षित करने की गुहार लगाई है,लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि खनन माफिया बिना किसी अनुमति के या नियमों को ताक पर रखकर अवैध रूप से खनन करते हैं और फिर काम खत्म होने के बाद इन गहरी खदानों को खुला छोड़ देते हैं। प्रशासन की निष्क्रियता और उदासीनता के कारण इन खदानों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है,जिससे ये बच्चों के लिए मौत का कुआँ बन गई हैं। यह गंभीर मुद्दा प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है। इन मौतों को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।इन खतरनाक खदानों को या तो भरा जाना चाहिए या फिर इन्हें उचित तरीके से बंद कर सुरक्षित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही, अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी प्रावधानों को लागू करना भी अनिवार्य है। अगर जल्द ही इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में और भी मासूम जिंदगियाँ इन खुली कब्रों की भेंट चढ़ सकती हैं।

## सतना में गूगल मैप बना तीर्थ यात्रियों के लिए भटकाव का सबब

सतना।

धार्मिक नगरी सतना में बाहर से आने वाले तीर्थयात्रियों को गूगल मैप के भरोसे चलना अब भारी पड़ रहा है।अक्सर देखा जा रहा है कि गूगल मैप उन्हें सही रास्ते के बजाय ऐसे सुनसान या गलत रास्तों पर पहुंचा देता है,जहां से उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।इस समस्या के कारण कई बार तीर्थयात्री घंटों भटकते रहते हैं,जिससे उनका समय और ऊर्जा दोनों व्यर्थ होती है। यहां मैहर देवी मंदिर,चित्रकूट धाम और अन्य कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं,जहां हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। आधुनिक समय में अधिकतर लोग यात्रा के लिए गूगल मैप पर निर्भर रहते हैं,लेकिन सतना में यह सुविधा मददगार साबित होने के बजाय भटकाने वाली बन गई है। हाल ही में चित्रकूट दर्शन करने आए भोपाल के एक परिवार ने बताया कि गूगल मैप ने उन्हें शहर से बाहर एक कच्चे रास्ते पर पहुंचा दिया,जहां से कोई वाहन उपलब्ध नहीं था और उन्हें काफी दूर तक पैदल चलना पड़ा। इसी तरह मैहर जा रहे रीवा के कुछ श्रद्धालुओं को भी गूगल मैप ने ऐसे इलाके में भेज दिया,जहां सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था और

रास्ता पूरी तरह बंद था। उन्हें वापस लौटकर दूसरा रास्ता तलाशना पड़ा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गूगल मैप पर कई ग्रामीण और कच्चे रास्तों को मुख्य मार्ग के रूप में दर्शाया गया है,जिससे भ्रम की स्थिति पैदा होती है। इसके अलावा,कई जगहों पर सड़क निर्माण या मरम्मत कार्य के कारण रास्ते बंद होते हैं,जिनकी जानकारी गूगल मैप पर अपडेट नहीं होती है। इस वजह से बाहर से आने वाले लोग,जो इन रास्तों से अनजान होते हैं,आसानी से भटक जाते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए स्थानीय प्रशासन और गूगल को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।प्रशासन को चाहिए कि वह गूगल से संपर्क कर मैप पर गलत रास्तों को ठीक करवाए और नए विकसित रास्तों को अपडेट करवाए। साथ ही,महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के लिए स्पष्ट साइनेज और वैकल्पिक मार्गों की जानकारी भी प्रमुखता से प्रदर्शित की जानी चाहिए ताकि तीर्थयात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। तब तक,बाहर से आने वाले तीर्थयात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे गूगल मैप पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय स्थानीय लोगों से भी रास्ते की जानकारी अवश्य लें।

## चित्रकूट में बढ़ा मंदाकिनी नदी का जलस्तर, बाढ़ का खतरा मंडराया

सतना।

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ गया है,जिससे नदी की जलधारा सामान्य स्तर से ऊपर आ गई है। दिनभर रुक-रुक कर हुई बारिश के कारण यह स्थिति बनी है,और अभी भी ऊंचे पहाड़ी इलाकों में तेज बारिश जारी है। इस वजह से चित्रकूट में एक बार फिर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और निचले इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।पिछले अनुभवों को देखते हुए,नदी के बढ़ते जलस्तर से आसपास के गांवों और शहरी क्षेत्रों में चिंता बढ़ गई है। यदि बारिश इसी तरह जारी रही,तो स्थिति और गंभीर हो सकती है,जिससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य के लिए टीमों को अलर्ट पर रखा है।

## तेज रफ्तार कार का कहर, बछड़े को कुचलकर दूर तक घसीटा

**सतना**। एक तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला है,जहां बीटीआई मैदान के सामने एक कार चालक ने बछड़े को कुचल दिया। हादसे के बाद भी कार चालक रुका नहीं और बछड़े को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गया। बछड़ा कार के नीचे फंस गया,और उसे बाहर निकालने के प्रयास जारी हैं। इस मार्मिक घटना की तस्वीर सामने आई है,जिसने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। मौके पर मौजूद लोगों ने कार चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।यह घटना जानवरों के प्रति संवेदनहीनता और सड़क सुरक्षा के नियमों की अनदेखी को उजागर करती है। घायल बछड़े की स्थिति गंभीर बताई जा रही है,और स्थानीय लोग उसकी मदद के लिए आगे आए हैं।

## जमीन के कारोबार में नेताओं और अफसरों की बड़ी साझीदारीः सांठगांठ से पनपता 'खेल'

सतना।

विंध्य क्षेत्र का प्रमुख शहर सतना इन दिनों जमीन के कारोबार में नेताओं और सरकारी अफसरों की कथित सांठगांठ को लेकर सुर्खियों में है। सूत्रों के अनुसार,यहां जमीन की खरीद-फरोख्त में एक अपवित्र गठबंधन सक्रिय है,जिसमें सत्ताधारी और विपक्षी दलों के कई प्रमुख चेहरे,साथ ही प्रशासन के उच्च पदस्थ अधिकारी भी शामिल बताए जा रहे हैं। इस सांठगांठ के चलते जमीनों के दाम आसमान छू रहे हैं और आम आदमी के लिए घर बनाना या निवेश करना मुश्किल होता जा रहा है। जानकारी के मुताबिक,सतना और उसके आसपास के इलाकों में कृषि भूमि को व्यावसायिक और आवासीय भूमि में परिवर्तित करने की प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हो रही हैं। इसमें नेताओं का प्रभाव और अफसरों की मिलीभगत साफ तौर पर दिख रही है। बताया जा रहा है कि कई नेता और अधिकारी अपने रिश्तेदारों या बेनामी संपत्तियों के जरिए बड़ी-बड़ी जमीनें सस्ते दामों पर खरीद लेते हैं। इसके बाद,नियमों को ताक पर रखकर या उनमें हेरफेर कर उन्हें महंगे दामों पर बेचा जाता है, जिससे करोड़ों का मुनाफा कमाया जाता है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस 'खेल' में शामिल लोगों को न तो सरकारी नियमों की परवाह है और न ही नैतिकता की। उनके प्रभाव के कारण,छोटे भूस्वामियों और किसानों को अक्सर अपनी जमीनें औने-पौने दामों पर बेचने के लिए मजबूर किया जाता है। साथ ही,सरकारी परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की जाने वाली जमीनों में भी गड़बड़ी की शिकायतें आम हैं। इस मामले पर प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।हालांकि,कुछ अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह मामला अब उच्चाधिकारियों की नजर में आ गया है और जल्द ही इस पर कोई बड़ी कार्रवाई हो सकती है। यदि इन आरोपों में सच्चाई है,तो यह सतना के विकास के लिए एक बड़ी चुनौती है,क्योंकि यह न केवल आर्थिक असमानता को बढ़ा रहा है बल्कि आम जनता का विश्वास भी बढ कर रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कब और कैसे इस 'साझीदारी' पर लगाम लगती है और जमीनी स्तर पर पारदर्शिता स्थापित होती है।

## एक डॉक्टर के भरोसे 81 गाँवों की आबादी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

लाखों करोड़ों रूपए खर्च कर सरकारी अस्पताल भवनों का निर्माण एवं संसाधन तो सरकार द्वारा मुहैया कराया जाता है लेकिन उसके संचालन के लिए ध्यान नहीं दिया जाता है। सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों का हाल इस कदर बेहाल है कि यहां मरीजों को इलाज के नाम पर सिर्फ भटकाव ही मिलता है क्योंकि अस्पतालों में न तो स्वीकृत पदों में डाक्टरों की पदस्थापना कराई जा रही है न ही स्टाफ की। जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक, प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों में भी स्टाफ की भारी कमी हैं। कुछ इसी तरह के हाल स्लीमनाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी बने हुए हैं। सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से उन्नयन कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तो कर दिया गया लेकिन क्षेत्र के लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी सुविधाये नही मिल रही है। सुविधाओं के अभाव मे मरीजों को समुचित उपचार नहीं मिल पा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्लीमनाबाद महज शोपीस बन कर रह गया है। स्लीमनाबाद प्राथमिक स्वास्थ्य का उन्नयन करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया। 28 जनवरी 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्लीमनाबाद का लोकार्पण सांसद वीडी शर्मा ने किया था। वर्तमान मे स्लीमनाबाद तहसील अंतर्गत 81 गांव है। लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की कमी से 81 गाँवो के ग्रामीणों को स्वास्थ्य लाभ नही मिल रहा है जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोभा की सुपारी बनकर रह गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक ही डॉक्टर है जिससे उनका अधिकांश समय बैठकों, सरकारी जानकारियां भेजने और अन्य दूसरे कामों में चला जाता है।

## सतना के राजेंद्र नगर में ट्रैफिक जाम और पार्किंग की समस्या से लोग हलकान

सतना

शहर का पॉश इलाका माने जाने वाला राजेंद्र नगर इन दिनों भीषण ट्रैफिक जाम और पार्किंग की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। दिन-प्रतिदिन बढ़ती वाहनों की संख्या और अव्यवस्थित पार्किंग ने इस क्षेत्र के निवासियों और यहाँ आने वाले लोगों का जीना मुहाल कर दिया है।शाम के समय तो स्थिति और भी बदतर हो जाती है,जब सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। राजेंद्र नगर में कई प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठान,बैंक,क्लीनिक और शिक्षण संस्थान स्थित हैं,जिसके कारण यहाँ दिन भर लोगों का आना-जाना लगा रहता है। लेकिन इन प्रतिष्ठानों के पास पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था न होने से लोग अपने वाहन सड़कों पर ही बेतरतीब ढंग से खड़े कर देते हैं। इससे सड़कें संकरी हो जाती हैं और ट्रैफिक का सुचारु प्रवाह बाधित होता है। कई बार तो दोपहिया और चार पहिया वाहन सड़क के दोनों ओर खड़े होते हैं,जिससे पैदल चलने वालों के लिए भी जगह

नहीं बचती। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित किया है,लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।एक स्थानीय दुकानदार ने बताया,ग्राहक पार्किंग की जगह न मिलने से परेशान होकर चले जाते हैं। इससे हमारे व्यापार पर भी बुरा असर पड़ रहा है। वहीं,एक गृहिणी ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा,शाम को बच्चों को स्कूल से लाने या बाजार जाने में घंटों लग जाते हैं। जाम में फंसकर बहुत परेशानी होती है। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि वे लगातार राजेंद्र नगर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं और गलत तरीके से खड़े वाहनों पर चालान भी कर रहे हैं। हालांकि,उनका मानना है कि जब तक पर्याप्त पार्किंग स्थलों का निर्माण नहीं होता,तब तक इस समस्या से पूरी तरह निजात पाना मुश्किल है। जानकारों का मानना है कि इस समस्या के समाधान के लिए मल्टी-लेवल पार्किंग या भूमिगत पार्किंग जैसी व्यवस्थाओं पर विचार किया जाना चाहिए।साथ ही,अतिक्रमण हटाने और पार्किंग नियमों का सख्ती से पालन करवाने की भी आवश्यकता है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया,तो राजेंद्र नगर की यह समस्या भविष्य में और भी विकराल रूप ले सकती है।

## माँ शारदा देवी मंदिर मार्ग अतिक्रमण मुक्त, श्रद्धालुओं को राहत

मैहर।

माँ शारदा देवी मंदिर का मार्ग वर्षों के बाद अब अतिक्रमण मुक्त हो गया है,जिससे श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिली है। पहले मंदिर की सीढ़ियों और पैदल मार्ग पर लगभग 500 दुकानें लग जाती थीं,जिससे दर्शनार्थियों को काफी परेशानी होती थी। श्रद्धालुओं और स्थानीय दुकानदारों की लगातार शिकायतों के बाद,एसआई एस सिक्योरिटी सुपरवाइजर दीपक दुबे ने अपनी टीम के साथ मिलकर अथक प्रयास किया और सीढ़ी व पैदल मार्ग को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त कराया। यह साहसिक कार्य न केवल श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक था,बल्कि उनकी सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण था। इस पहल से माँ शारदा देवी के भक्तों को अब बिना किसी बाधा के मंदिर तक पहुँचने में आसानी होगी,जो मंदिर प्रबंधन और सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## उचेहरा में पटिया पुल के पास रिटर्निंग वॉल गिरी, ग्रामीणों ने पहले ही उठाए थे सवाल

सतना

उचेहरा में टमस नदी (पटिया पुल) से खरवाही जाने वाले पटिया पुल के पास बनी रिटर्निंग वॉल (सुरक्षा दीवार) गिर गई है।यह घटना तब सामने आई जब आरसीसी रोड का निर्माण हो रहा था और ग्रामीणों ने पहले ही इस दीवार की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। ग्रामीणों ने आशंका व्यक्त की थी कि निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है,जिससे भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। दीवार गिरने से सड़क की सुरक्षा पर खतरा मंडरा गया है और इससे यातायात भी प्रभावित हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया,जिसका परिणाम अब सामने आया है।प्रशासन से इस मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है,ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

## रेलवे स्टेशन पर टिकट चेकिंग स्टाफ की मनमानीः यात्रियों से बदसलूकी की शिकायतें बढ़ीं

**सतना**। रेलवे स्टेशन पर इन दिनों टिकट जांच करने वाले (टिकट चेकिंग स्टाफ) कर्मचारियों द्वारा यात्रियों के साथ बदसलूकी और अभद्र व्यवहार के मामले लगातार सामने आ रहे हैं,जिससे यात्रियों में भारी नाराजगी है। कई यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से इसकी शिकायत की है,लेकिन स्थिति में सुधार होता नहीं दिख रहा है।पिछले कुछ हफ्तों से,विशेष रूप से देर रात और सुबह की ट्रेनों में,टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा यात्रियों के साथ अनावश्यक सख्ती और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने की कई घटनाएं सामने आई हैं। यात्रियों का आरोप है कि टिकट होने के बावजूद उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है और पूछताछ के दौरान अभद्रता की जा रही है। हाल ही में,एक यात्री ने बताया कि वे अपने परिवार के साथ यात्रा कर रहे थे और उनके पास वैध टिकट थे,फिर भी एक टीटीई ने उनसे बार-बार पहचान पत्र दिखाने की मांग की और अनावश्यक प्रश्न पूछे। जब यात्री ने आपत्ति जताई,तो टीटीई ने उनसे ऊंची आवाज में बात की और धमकी भरे लहजे का इस्तेमाल किया। ऐसी ही एक अन्य घटना में,एक बुजुर्ग दंपति को भी रात के समय परेशान किया गया,जब वे अपनी ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। टीटीई ने उनसे बार-बार टिकट दिखाने को कहा और बहस करने पर उन्हें ट्रेन से उतारने की धमकी दी। यात्रियों का कहना है कि टिकट जांच करना रेलवे की जिम्मेदारी है,लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कर्मचारियों को यात्रियों के साथ मनमानी करने का अधिकार मिल जाए। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर भी अपनी आपबीती साझा की है,जिससे यह मुद्दा और गरमा गया है। इन घटनाओं से रेलवे की छवि पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। रेलवे अधिकारियों को इस गंभीर मामले पर तुरंत ध्यान देने और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है। यात्रियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए टिकट चेकिंग स्टाफ को उचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उम्मीद है कि रेलवे प्रशासन इस समस्या का जल्द समाधान करेगा ताकि यात्रियों को सुखद यात्रा का अनुभव मिल सके।

## हर में सेवादल का ध्वज वंदन कार्यक्रम आयोजित

**मैहर**। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के निर्देशों पर मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमापति गौतम मुख्य अतिथि रहे। वंदे मातरम और राष्ट्रगान के साथ शुरू हुए इस आयोजन में डॉ.एन.एस. हार्डिकर को दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दी गई। जिला अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र ने सेवादल को कांग्रेस का स्तंभ बताया,जो आजादी की लड़ाई में महात्मा गांधी और पंडित नेहरू के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ा था,और आज भी चोरों से लड़ रहा है। ब्लॉक अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने अनुशासन को सेवादल की रीढ़ बताया। पूर्व प्रत्याशी मनीष पटेल ने 1923 में सेवादल की स्थापना और नागपुर सत्याग्रह में उसकी भूमिका का जिक्र किया। जिला अध्यक्ष धर्मेश घई ने महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया।

### चित्रकूट विश्वविद्यालय में राजनीति पर लगाम,जगद्गुरु रामभद्राचार्य का कड़ा संदेश

**सतना**। जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज विश्वविद्यालय चित्रकूट उत्तर प्रदेश के 25 वें स्थापना दिवस के अवसर पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय के अंदर किसी भी तरह की राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी ने भी विश्वविद्यालय में विद्यार्थी परिषद या एनएसयूआई जैसी छात्र राजनीतिक संगठनों को लाने का प्रयास किया,तो उन्हें वह स्वयं निष्कासित (टर्मिनेट) कर देंगे।

## खबर संक्षेप

### ऋषभ जैन का दुखद निधन

**पन्ना।** जिले के देवेन्द्रनगर कस्बा निवासी श्री अजीत कुमार जैन( छोटे) संजू होटल वाले के बड़े भाई श्री ऋषभ कुमार जैन (पप्पू भैया ) का आज दिनांक 27/07/25 को हृदय गति रुक जाने के कारण स्वर्गवास हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार आज मुक्तिधाम देवेन्द्रनगर में किया जाएगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

### अधिकारियों ने कीटनाशक दुकानों का किया निरीक्षण

**दमोह।** कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत राजस्व एवं कृषि विभाग के संयुक्त दल ने कीटनाशक दुकानों पर औचक निरीक्षण किया। इस संबंध में उप संचालक कृषि जी.एल. अहिरवार ने बताया कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं कीटनाशी नियम 1971 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। संयुक्त दल में तहसीलदार दमोह रोबिन जैन, सहायक संचालक कृषि एस. एल कुर्मी, सहायक संचालक कृषि जे.एल. प्रजापति एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आर.के. जैन द्वारा विकासखंड दमोह में स्थित कीटनाशक दुकानों का औचक निरीक्षण कर छापामार कार्यवाही की गई। इस दौरान अभिलेख प्रस्तुत न किए जाने पर दो दुकानों यथा पटेल कृषि सेवा केंद्र राय चौराहा एवं मध्य किसान कृषि संरचना केंद्र हटा रोड दमोह को किया सील बंद किया गया।

### आई.टी.आई. प्रवेश हेतु ओपन राउंड पंजीयन प्रारंभ

**दमोह।** जिले की समस्त शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (आई.टी.आई.) में प्रवेश हेतु ओपन राउंड के लिए पंजीयन की प्रक्रिया 01 अगस्त 2025 तक जारी रहेगी। इस राउंड में राज्य के बाहर के आवेदक भी आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में प्राचार्य आईटी ने बताया पूर्व से पंजीकृत अभ्यर्थियों को भी यह अवसर दिया जा रहा है कि वे अपने आवेदन में त्रुटियों का सुधार कर सकें एवं नवीन विकल्प भराव (**Choice Filling**) की प्रक्रिया पूरी कर सकें। उन्होंने बताया सभी इच्छुक अभ्यर्थी समय-सीमा में **www.admission.iti.mp.gov.in** एवं **www.dsd.mp.gov.in** पोर्टल पर जाकर पंजीयन एवं विकल्प भराव की प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

### एसडीएम ने का किया निरीक्षण

**दमोह।** एसडीएम आर.एल.बागरी ने दमोह अनुभाग अंतर्गत स्वास्थ्य केन्द्र बालाकोट,आयुर्वेद औषधालय बालाकोट तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालय तथा आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। एसडीएम श्री बागरी ने अपने निरीक्षण में सभी स्थानों पर व्यवस्थाएं ठीक पाई। वहाँ पदस्थ स्टाफ भी अच्छे से कार्य कर रहा है, उन्होंने मेडीकल स्टाफ से कहा वर्तमान में बरसात का मौसम चल रहा है ऐसी स्थिति में बीमारियों के फैलने की संभावना अधिक रहती है, अतः लोगों के इलाज में लापरवाही न बरती जाये। उन्होंने विद्यालय में छात्रों से भी चर्चा की छात्रों ने बताया कि समस्त शिक्षक स्टाफ समय पर आये है एवं पढ़ाई भी बेहतर ढंग से हो रही है।

# पर्यटन की दिशा में अमझिरिया तालाब में भी सुखद आनंद वोटिंग के माध्यम से पर्यटकों के लिए बना आकर्षण का केन्द्र

*कलेक्टर सुरेश कुमार के मार्गदर्शन निर्देशन व सोच के चलते पर्यटन के क्षेत्र में जिले में बहुआयामी विकास के साथ-साथ अलग ही पहचान कायम होने को लेकर प्रदेश स्तर में होमस्टे जैसी योजना के चलते सम्मान से नवाजा तो गया ही वहीं पन्ना को लेकर दसकों से जहां पर्यटन के माध्यम से विकास की दिशा में अलग ही पहचान को लेकर जो उम्मीदें थीं सपने साकार होने लगे अमझिरिया जैसे तालाब में वोटिंग से जहां शांति सुखद आनंद को लेकर अलग ही तरंग जल की लहरों के साथ जानी जा रही। पर्यटन के क्षेत्र में पन्ना की भौगोलिक स्थिति कई झरने कई झीलें मानसून पर्यटन के नाम पर भी आकर्षण का केन्द्र बन सकती है। अमझिरिया तालाब में जो वोटिंग का मार्ग प्रशस्त हुआ पन्ना-कटनी मार्ग में पन्ना मुख्य मार्ग से टोल टैक्स के पास बसा गांव अमझिरिया अब पर्यटन की दिशा में बढ़ाने लगा कदम मिलेगी पहचान मड़ला ग्राम जैसे आज पर्यटन के क्षेत्र में जाना जा रहा है। अब अमझिरिया भी तय करेगा मुकाम।*

**पन्ना।** पर्यटन के क्षेत्र में आपार संभावनाओं को लेकर पन्ना जिले की भौगोलिक धरा जो वन सम्पदा के साथ-साथ जहां प्राकृतिक रूप से झरने-झीले व तालाबें स्वयं ही अपनी सुन्दरता से जाने जाते है। जिन्हें दसकों से पर्यटन के क्षेत्र में चर्चाओं में व्याप्त था। पर कार्य रूप में परिणित करने को लेकर कलेक्टर सुरेश कुमार का नाम अब पन्ना से लेकर प्रदेश स्तर तक पर्यटन के क्षेत्र में विकास की दिशा देने को लेकर जाना गया। प्रदेश में भी पन्ना में पर्यटन को लेकर जो प्रयास किये गये ध्यान में रखते हुए कलेक्टर सुरेश कुमार को सम्मान से नवाजा गया। निश्चित ही जहां कार्य रूप में परिणित करने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति से जो कार्य किये जाते है परिणाम के रूप में सफलता के मुकाम के साथ जाने जाते है। पर्यटन की दिशा में होमस्टे जैसी योजना को आगे बढ़ाया गया वहीं अमझिरिया जैसे तालाब में आज वोटिंग की दिशा जो सफलता को लेकर स्वयं साबित कर रही। जहां पन्ना जिला मुख्यालय से महज पांच-सात किलोमीटर की दूरी पर पन्ना-कटनी मार्ग में टोल टैक्स के पास बसा छोटा सा ग्राम अमझिरिया जिसका नाम ही अमझिरिया है उससे आज झील की तरह तालाब के रूप में जो लहरें तरंगों के रूप में जल में जानी जाती है जहां वोटिंग करने का आनंद सुख शांति की मिशाल साथ ही पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र साबित होने जा रही। यह झील कहें या तालाब जहां कलेक्टर सुरेश कुमार के प्रयासों के चलते ये आयाम पर्यटन के क्षेत्र में साकार रूप में परिणित हुए। निश्चित ही पन्ना में इतिहास साक्षी है अभी तक जितने कलेक्टर पन्ना आये है उनमें किसी न किसी का नाम विशेष कार्यों से लेकर आज भी जनचर्चाओं में व्याप्त रहता है। क्योंकि यहां जनप्रतिनिधियों की सोच के साथ-साथ प्रशासन की सोच समाहित होने के साथ जो विकास की दिशा तय हो जाती है बड़े कार्यों के रूप में जो स्वयं ही इतिहास के रूप में जाने जाते है उदाहरण को लेकर कलेक्टर दीपाली रस्तोगी का नाम आज भी यहां की लोगों के द्वारा सम्मान से लिया जाता है। केन्द्रीय विद्यालय आज जिनकी देन है। वहीं नगर के अंदर बनी सड़क भी कलेक्टर के कार्य प्रणाली जो जानी गई। इतना ही नहीं कलेक्टर संजय कुमार मिश्र जिन्होंने पर्यटन की दिशा में ब्रहस्पिति कुण्ड पहुंचकर कुछ करने की ठानी थी परिणाम के रूप में जानने के बाद ही सही पर आज ब्रहस्पितिकुण्ड पर्यटन की दिशा में ग्लास ब्रिज के रूप में पर्यटकों का आकर्षण का केन्द्र बनेगा। वहीं होमस्टे जैसी योजना तो लम्बे समय से पर्यटन विभाग से जानी जाती है पर कार्य रूप में विकास की दिशा में आगे बढ़ाने को लेकर कलेक्टर सुरेश कुमार की सोच के चलते जो कार्य वर्तमान समय में करने को लेकर दिशा दी गई है साथ ही अमझिरिया जैसे छोटे से गांव में भी पर्यटन की दिशा तय करके विकास की संभावनाओं को आयाम के रूप में आगे बढ़ाया। जिस तरह से पन्ना टाईगर रिजर्व में एक टाईगर देखने को लेकर हजारों लोगों को रोजगार मिलता है वहीं पन्ना में देशी व विदेशी पर्यटकों का आगमन होता है। उसी तरह अब पर्यटकों की शांति व सुकून को लेकर अमझिरिया जैसे तालाब में या झील में वोटिंग करने का आनंद पर्यटकों को सुखद आनंद के रूप में जो मिलेगा उसके साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी कई तरह से रोजगार की संभावनायें स्वयं ही आगे बढ़ती है। वहीं समाज में इस तरह के विकास से बदलाव तो तय होता ही है साथ ही भावी पीढ़ी के विकास का मार्ग भी प्रशस्त होता हैं। वैसे भी पन्ना का नाम है हीरों व मंदिरों तथा झीलों की नगरी के रूप में कई बार जनचर्चायें होती है। साथ ही यह वीरों की नगरी है प्रकृति अनुपम कृपा भौगोलिक रूप से जहां वन सम्पदा तथा तालाबों व झीलों तथा झरनों व तपस्या स्थलियों के रूप में पन्ना जिला मुख्यालय सहित आसपास पचास किलोमीटर से लेकर सौ किलोमीटर तक कई सिद्धस्थल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बन सकते है जो इतिहास को समेटे हुए है। विकास के क्रम में कलेक्टर पन्ना की सोच उम्मीदों के साथ आगे बढ़ेगी अजयगढ़ जैसे किला को विकास के रूप में आगे बढ़ाया जाये वहीं आज देश के प्रधानमंत्री पीएम मोदी जी ने स्वयं ही मन की बात में प्राचीन संस्कृति व गौरव के रूप में जहां हमारे जिले के अजयगढ़ के अजयपाल के किला को देखने के लिए प्रेरणा दी। निश्चित पर यह किला अभी किला के रूप में इसकी निर्माण की जो दिशा है वह स्वयं ही आज किले से ही देखने से ही प्रतीत होती है किस तरह से प्राचीन समय में हमारी समृद्धि व साहस तथा विकास इस किले से ही सहज बयां हो रहा है। वहीं खजुराहो से प्राचीन समय का मंदिर चंदेलकालीन युग का स्थान जिनका वर्णन भगवान श्रीराम के वन गवन मार्ग में सिद्धनाथ आश्रम के रूप में जो आज सलेहा कस्बे के पास जाना जाता है। जो सिद्ध स्थल मुनियों का है। तपस्वियों का है क्योंकि यह अगस्तमुनि का आश्रम रामायण में उल्लेखित है जहां भगवान श्री राम ने दिव्यास्त्रों की विद्या महाऋषि अगस्त जी प्राप्त की। जिसके बाद रावण जैसे पराक्रमि योद्धा का विनाश करने को लेकर भगवान श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम राम के रूप में सफलता के साथ जाने जाते है। पन्ना का इतिहास पुरातत्व व पर्यटन के क्षेत्र में समूचे दुनिया के लिए जहां समझने को लेकर स्वयं ही जाना जायेगा पर इसे विकास क्रम में आगे बढ़ाने को लेकर कलेक्टर सुरेश कुमार जैसी सोच के साथ पन्ना का नाम पर्यटन के क्षेत्र में ही अलग मुकाम तय करेगा। जिससे रोजगार व विकास का मार्ग भ प्रशस्त होगा।

# भ्रष्टाचारी ठेकेदारों ने जिले को बनाया खोखला जिले की अधिकांश सड़कें दलदल में तब्दील

### गुनौर विधानसभा की आधा दर्जन सड़कों का हाल बेहाल, नारकीय जीवन जीने को मजबूर ग्राम के लोग

***मन्नी खरवा से बमुरहा मुख्य सड़क मार्ग तक सड़क कंप्लीट ना होने से लोग परेशान समाजसेवी तिलक राज पटेल ने कहा कि करेंगे उग्र प्रदर्शन***

**अमानगंज।** इन दिन पन्ना जिले में अंधेर नगरी चौपट राजा की कहावत चरितार्थ हो रही है भ्रष्ट तंत्र ने सरकार की मूल जड़ों को उखाड़ कर फेंकने की कसम खा ली है जिससे लोग दलदल में फंसे दिखाई दे रहे पन्ना जिले के गुनौर विधानसभा के आधार दर्शन ग्रामों की अधिकांश सड़क के ठेकेदारों के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई राशि का बंदर बांट कर लिया गया और निर्माण कार्य पूर्ण नहीं होने से लोगों के लिए परेशानी खड़ी हो गई ताजा मामला पन्ना जिले की गुनौर विधानसभा अंतर्गत आने वाली मन्नी खिरवा से बमुरहा मुख्य सड़क मार्ग का है जहां ठेकेदार द्वारा शासन की राशि का दुरुपयोग कर ठिकाने लगाया जा रहा है दरअसल शासन द्वारा मुख मार्ग तक सड़क कंप्लीट करने के लिए, डामरीकरण हेतु राशि स्वीकृत की गई थी जिसमें ठेकेदार ने पेटी ठेकेदार को कम दिया और बृजेंद्र यादव द्वारा राशि का बंदरबाँट किया जा रहा है दरअसल 2 साल का वक्त बीत जाने के बाद भी ग्राम में अब तक सड़क निर्माण कार्य कंप्लीट नहीं हुआ है मिट्टी डालकर सड़क को छोड़ दिया गया है जिससे बड़े-बड़े गड्ढे सड़क में हो गए हैं और लोगों का निकलना दोसबार हो गया है वहीं पूरे विषय को लेकर समाजसेवी तिलक राज पटेल ने अपनी आवाज को बुलंद करते हुए भ्रष्टाचार की गंभीर आरोप लगाए उन्होंने कहा जब प्रशासन और शासन तक आवाज पहुंचाई तब एक से दो ट्राली जीरा डालने के बाद ठेकेदार द्वारा वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था करने की बात कह कर मामले से पल्ला झाड़ लिया है और सड़क जस कि तस उसी हालत में पड़ी है जिससे लोग परेशान हैं तिलक राज पटेल का कहना है कि सात दिवस के अंदर यदि लोगों को निकालने योग रास्ता कंप्लीट नहीं होता है तो आगामी दिनों में वह उग्र प्रदर्शन करेंगे जिसकी जवाब दे ही शासन प्रशासन की होगी।

## पुलिस द्वारा नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरूकता अभियान के तहत कोतवाली थाना क्षेत्र में आयोजित किये विभिन्न कार्यक्रम

**पन्ना।** मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संपूर्ण प्रदेश में संचालित "नशे से दूरी है जरूरी" जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत पन्ना जिले में पुलिस अधीक्षक श्री साईं कृष्ण एस. थोटा के निर्देशन में यह अभियान सतत रूप से प्रभावी एवं व्यापक रूप से संचालित किया जा रहा है। आज दिनांक को कोतवाली क्षेत्र में इस अभियान के अंतर्गत अनेक जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य समाज में नशे के विरुद्ध चेतना का विस्तार करना तथा नागरिकों को नशामुक्ति की ओर प्रेरित करना रहा। यहां आयोजित कार्यक्रम में थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों एवं शहर में सक्रिय विभिन्न एन.जी.ओ. के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया गया। इस दौरान मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान की जानकारी साझा की गई तथा माननीय पुलिस महानिदेशक महोदय का वीडियो संदेश प्रदर्शित किया गया। उपस्थितजनों ने नशामुक्त रहने व दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ ली। रिलायंस जियो स्मार्ट बाजार, पन्ना यहां जागरूकता अभियान के अंतर्गत लाउडस्पीकर के माध्यम से कर्मचारियों एवं खरीदारी हेतु आए नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत लोगों ने हस्ताक्षर कर नशे से दूर रहने एवं अभियान का समर्थन करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को नशामुक्त रहने और इस सामाजिक मुहिम में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से पन्ना पुलिस ने समाज के विभिन्न वर्गों में नशामुक्ति को लेकर संवाद स्थापित किया तथा नशे के खिलाफ जन-सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में सार्थक

## नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत अस्पताल परिसर में लोगों को किया जागरूक

**पवई।** मध्य प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत जिला पुलिस कप्तान साईं कृष्ण एस थोटा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वृदना सिंह चौहान एवं एस डी ओ पी भावना सिंह दांगी के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी द्वारा आम लोगो मे जागरूक पैदा करने के लिए नगर मे प्रति दिन अनेक स्थानो एवं शासकीय संस्थाओं में नशा मुक्त कार्यक्रम आयोजित कर लोगो को नशा करने से व्यक्ति के जीवन मे पड़ने वाले दुष्परिणाम के बारे मे विस्तार से समझाया जा रहा है शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई मे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित अन्य लोगो को नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित कर जागरूक किया गया।

## उप जेल परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ पौधारोपण,जेल अधीक्षक और वन परिक्षेत्र अधिकारी हुए शामिल

**पवई।**

इन दिनों देश, प्रदेश के साथ-साथ जिले भर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जगह जगह खाली पड़ी जमीन पर पौधों का रोपण किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य मां के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थाई स्मृति बनाना है,जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि एक हरे और अधिक सशक्त भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा । मां और प्रकृति दोनों ही जीवन का मूल आधार है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और माता के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। इस अभियान का उद्देश्य न केवल जिले को हरा भरा बनाना है बल्कि सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित कर एक स्तंभ और टिकाऊ भविष्य की नींव रखना है। इसी कार्यक्रम के तहत रविवार को उप जेल पवई में वन विभाग के तत्वाधान में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उप जेल परिसर के बाहर सभी ने एक पेड़ मां के नाम लगाया तथा उसकी सुरक्षा का वचन लिया। इस दौरान जेल अधीक्षक मुनेंद्र मिश्रा ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पेड़ लगाए साथ ही सभी से पर्यावरण को हरा-भरा बनाए रखने और अपने आने वाली पीढ़ी को समृद्ध बनाने के लिए एक पेड़ लगाने का संदेश दिया। इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी नीतेश पटेल, परिक्षेत्र सहायक बी के खरे,सरबजीत दुबे और जेल कर्मचारी मौजूद रहे।

# क्षेत्रीय विधायक ने दिखाई हरी झंडी, कांवड़ यात्रा अमानगंज से जटाशंकर धाम हुई रवाना

### क्षेत्र से सैकड़ों भक्त हुए शामिल, आकर्षक झांकी ने मोह लिया मन

**अमानगंज।** सावन माह में बाबा भोले के भक्तों की भक्ति का उत्साह दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है आज सैकड़ो भक्तों का एक बड़ा काफिला कावड़ यात्रा के रूप में अमानगंज से जटाशंकर धाम के लिए पैदल ही रवाना हो गया यात्रा आरंभ होने के पहले क्षेत्र विधायक डॉ राजेश वर्मा ने वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच बाबा भोले की पूजा आराधना करके सभी भक्तों के लिए बाबा भोले से भक्ति की कामना करते हुए यह यात्रा आनंद और सुख मय बनाए जाने की कामना की अमानगंज नगर के थाना तिराहा पर नगर क्षेत्र से बाबा भोले के सैकड़ो भक्त अपनी भक्ति में उत्साहित नजर आए जहां एक बड़ी लंबी शोभा यात्रा कावड़ यात्रा का रूप लेने तैयार थी पूजन अर्चन के बाद क्षेत्रीय विधायक स्वयं यात्रा में आगे आगे भक्तों के साथ पैदल चल दिए और कुछ दूरी तक उन्हें विदा करने के बाद शुभ यात्रा की शुभकामना देकर सभी भक्तों को रवाना किया इस यात्रा में एक आकर्षक शिवजी की झांकी शोभाए मान रही कावड़ यात्रा में भारतीय जनता पार्टी से पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा क्षेत्र का किसान स्थानीय व्यापारी और पार्टी कार्यकर्ताओं की टीम शामिल रही डॉ राजेश वर्मा विधायक ने सभी पैदल यात्रियों से बम भोले का नारा लगवाते हुए कहा कि आपकी यात्रा सुख मय हो बाबा भोले की कृपा सबको मिले इस मौके पर उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि यह सावन का माह अत्यंत धर्म से जुड़ा होता है इस माह में बाबा भोले की पूजा आराधना अत्यंत फलदाई होती है हमें बाबा भोले की कृपा मिलता है तो संसार में सभी देवी देवताओं की कृपा के पात्र होते हैं।

# पिपरवाह पोलिंग बूथ पर पहुंचे क्षेत्रीय विधायक और सुनी मन की बात

### पोलिंग बूथ 25 पर मंडल अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने सुनी मन की बात

**अमानगंज।** पन्ना जिले के भाजपा मंडल अमानगंज अंतर्गत आज पिपरवाह पोलिंग बूथ पर क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर राजेश वर्मा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात आयोजन कार्यक्रम में उपस्थित हुए उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रतिनिधि जय प्रकाश चतुर्वेदी मंडल के पूर्व मंडल अध्यक्ष रामलाल लखेरा सहित सैकड़ो पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे इस मोके पर मंडल संगठन के महामंत्री दीपक यादव जी द्वारा आप सभी पार्टी नेताओं का स्वागत करते हुए सभी को पुष्प माला पहनाकर स्वागत वंदन किया ततउपरांत देश के ऊर्जावान प्रधानमंत्रीजी नरेंद्र जी मोदी का उद्बोधन देश के विकास और नई ऊर्जा नीति को लेकर सुधार जिसमें उन्होंने देश की जनता को देश के विकास में हो रहे आमूल चूल परिवर्तन के दर्शन भी कराय कार्यक्रम को संबोधित कार्तिक को क्षति विधायक डॉक्टर राजेश वर्मा जी ने मंच से कहा कि हर व्यक्ति यह आयोजन को सुने यह रेडियो प्रसारण हर व्यक्ति के जीवन में कुछ ना कुछ परिवर्तन देता है हो सकता है किसी योजना से आपका मन प्रभावित हो और आप सीधे जुड़कर मन की बात से बड़ा लाभ लेकर अपना और अपने क्षेत्र का नाम ऊंचा कर सकते हैं भारतीय जनता पार्टी मंडल संगठन के अध्यक्ष डॉक्टर प्रशांत चतुर्वेदी और उपाध्यक्ष अमित द्विवेदी द्वारा पोलिंग बूथ 25 वार्ड क्रमांक 1 में मन की बात आयोजन को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर सुना आज मंडल संगठन के सभी पोलिंग बूथों पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं उनके प्रभारी प्रतिनिधियों द्वारा पूरे उत्साह के साथ ऐसा ईसन में बढ़कर अपनी उपस्थिति देते हुए मन की बात आयोजन को सुना याद हो कि यह आयोजन माह में एक बार आयोजित होता है जिसे स्वयं प्रधानमंत्री जी नरेंद्र मोदी संबोधित एक नई ऊर्जा शक्ति का संचार देशवासियों में करते हैं।

## पवई में श्रवण मास पर तीन दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं अखंड रामायण पाठ का आयोजन

**पवई**

श्रवण मास के पावन अवसर पर पवई नगर के वार्ड क्रमांक 13 स्थित शिवशक्ति कॉलोनी में धार्मिक वातावरण बना हुआ है। यहां हरिशंकर त्रिपाठी के निवास पर गुरुवार से तीन दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं अखंड रामायण पाठ का आयोजन प्रारंभ हुआ है। श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विधिविधान से पूजा-पाठ प्रारंभ हुआ और लगातार रामायण पाठ का श्रवण किया जा रहा है। इस आयोजन के अंतर्गत शनिवार को समापन अवसर पर शांति पाठ एवं ब्राह्मण भोजन का आयोजन भी किया जाएगा। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं और भक्ति भाव से पूजन-अर्चन में जुटे हुए हैं। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण व्याप्त है। आयोजक परिवार द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण एवं अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है।

## खबर संक्षेप

### एक साल के बच्चे को सांप ने काटा, जिला अस्पताल भर्ती

छतरपुर। जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम बगौता अंतर्गत शंकरगढ़ पुरवा में एक वर्षीय बच्चे को सांप ने काट लिया, जिसके बाद उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्चे का इलाज पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) में चल रहा है। बताया गया है कि एक वर्षीय माहिर पुत्र विजय अहिरवार निवासी शंकरगढ़ पुरवा अपने घर पर खेल रहा था, तभी एक सांप ने उसकी उंगली में काट लिया। परिजनों ने तुरंत उसे जिला अस्पताल छतरपुर पहुंचाया, जहां उसे पीआईसीयू में भर्ती किया गया। चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया, और बच्चे की हालत स्थिर बताई जा रही है।

### होटल और ढाबों में पुलिस ने की सघन चेकिंग

छतरपुर। पुलिस ने जिले में अवैध गतिविधियों की रोकथाम और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए होटल और ढाबों में व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान विस्तृत जानकारी एकत्र कर रजिस्टर में प्रविष्टि की गई, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। अभियान में पुलिस ने ढाबों और होटलों का नाम, संचालक का विवरण, पता, मोबाइल नंबर, वैध लाइसेंस की उपलब्धता, कर्मचारियों की संख्या, उनके नाम-पते और पुलिस सत्यापन की स्थिति की जांच की। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों की कार्यक्षमता और रिकॉर्डिंग का सुरक्षित संग्रहण भी चेका गया। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों, शराब, गांजा, नशीले पदार्थों, जुआ या अन्य आपराधिक गतिविधियों की मौजूदगी की भी पड़ताल की। सभी जानकारी थानों के रोजनामचे, निर्धारित रजिस्टर और बीट पुस्तिका में विधिवत दर्ज की गई।

### इनामी स्थाई वारंटी अवैध हथियार के साथ पकड़ा

पिपट थाना पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी पांच साल पुराने चोरी के मामले में फरार स्थाई वारंटी था और कई आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है। बताया गया है कि पिपट पुलिस को दोपहर खंदा पुलिया के पास संदिग्ध की सूचना मिली। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर छोटू पुत्र चतरे साहू निवासी ग्राम पिपट को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से एक धारदार लोहे की छुरी बरामद हुई। छोटू साहू के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। वह निगरानी बदमाश है और विभिन्न थानों में लूट, चोरी, अवैध हथियार और मारपीट जैसे आधा दर्जन अपराधों में संलिप्त है। इसके अलावा, थाना कोतवाली के 5 वर्ष पुराने चोरी के प्रकरण में वह 2000 का इनामी स्थाई वारंटी था। छोटू साहू को न्यायालय में पेश किया गया है, और हथियारों के स्रोत की जांच जारी है।

### तीन किलो गांजा के साथ पकड़ा गया तस्कर

छतरपुर। नशा मुक्ति अभियान के तहत चलाए जा रहे अभियान के तहत छतरपुर की सिविल लाइन पुलिस ने थाना क्षेत्र में 3 किलोग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान सन्मति स्कूल के सामने वाली गली में एक संदिग्ध के अवैध मादक पदार्थ के साथ होने की सूचना मिली।पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संदिग्ध को रोका और तलाशी ली, जिसमें उसके बैग से टैपिंग किए पैकेट में 3 किलोग्राम गांजा कीमत करीब 45,000 रुपये बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी कृष्णा पुत्र ओमप्रकाश बाजपेई निवासी बसारी दरवाजा छतरपुर ने बताया कि गांजा उसके मामा विनय पाराशर निवासी शाहगढ़ जिला सागर ने विक्रय के लिए दिया था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

# मुक्तिधाम के अभाव में तिरपाल के नीचे हुआ अंतिम संस्कार

## चारपाई से मरीज को अस्पताल ले जाने को मजबूर हुए ग्रामीण

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा भले ही ग्रामीण विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हों लेकिन जमीनी हकीकत इसकी विपरीत है। ताजा मामले छतरपुर जिले की लवकुशनगर और गौरिहार जनपद पंचायतों के दो अलग-अलग स्थानों से सामने आए हैं, जिनसे प्रशासन की संवेदनहीनता और लापरवाही उजागर हुई है।

छतरपुर।

एक ओर लवकुशनगर के कटहरा गांव के मड़वा में मुक्तिधाम न होने से ग्रामीण बरसात में तिरपाल के नीचे अंतिम संस्कार करने को मजबूर नजर आए, तो वहीं दूसरी ओर गौरिहार के हटवा गांव में पक्की सड़क न होने से मरीजों को चारपाई पर ढोकर अस्पताल ले जाना पड़ा।

पहला मामला लवकुशनगर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कटहरा के मड़वा गांव का है, जहां बीमारी के कारण बीते रोज विपिन शर्मा की पत्नी रोशनी की मृत्यु हो गई थी। जब अंतिम संस्कार के लिए परिजन शव को गांव के शमशान घाट ले गए, तभी बारिश शुरू हो गई। यहां मुक्तिधाम की सुविधा न होने के कारण परिजनों को मजबूरन तिरपाल (प्लास्टिक की पन्नी) लगाकर चिता को जलाना पड़ा। चिता में आग फैलने तक लोग तिरपाल पकड़े खड़े रहे। इसी दौरान किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर रहा है। शोकग्रस्त परिवार के रोहित शर्मा और विनोद शर्मा ने बताया कि गांव में मुक्तिधाम न होने से सभी ग्रामीणों को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच और सचिव की उदासीनता के चलते मुक्तिधाम का निर्माण नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जहां करोड़ों रुपये की जेसीबी मशीनों से खेत तालाब खोदे गए, वहीं एक छोटे से मुक्तिधाम के लिए फंड की कमी बताई जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल मुक्तिधाम निर्माण की मांग की है, ताकि बारिश में ऐसी अमानवीय स्थिति से बचा जा सके।

## चारपाई पर लिटाकर मरीज को अस्पताल ले गए परिजन

दूसरा मामला गौरिहार जनपद पंचायत के हटवा गांव का है, जहां पक्की सड़क न होने से ग्रामीणों का जीवन संघर्षमय बना हुआ है। गौरिहार से करीब 22 किलोमीटर दूर हटवा पंचायत के तुलसिया पुरवा, नाई का पुरवा, बहादुर का पुरवा और पालो का पुरवा में करीब 400 लोग निवास करते हैं, लेकिन इन गांवों तक पक्की सड़क नहीं पहुंची। कच्चे और कीचड़ भरे रास्तों के कारण बीमार व्यक्तियों को खाट पर ढोकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है, जहां से ही एम्बुलेंस या अन्य वाहन उपलब्ध हो पाते हैं। ग्रामीण पप्पू पाल ने बताया कि पंचायत कार्यालय की दूरी 2 किलोमीटर है, लेकिन कीचड़ भरे रास्तों के कारण मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। बरसात में स्थिति और बदतर हो जाती है, जब रास्ते दलदल में बदल जाते हैं। ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन से पक्की सड़क की मांग की, लेकिन केवल आश्वासन ही मिले। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के नाम पर सिर्फ कागजी वादे किए जा रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत में वे मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।

### सिस्टम पर सवाल, ग्रामीणों में आक्रोश

ये दोनों मामले ग्रामीण विकास के दावों पर गंभीर सवाल उठाते हैं। मड़वा में मुक्तिधाम की कमी और हटवा में पक्की सड़क का अभाव न केवल प्रशासन की उदासीनता को दर्शाता है, बल्कि सरपंच, सचिव और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक ठोस कार्रवाई नहीं होगी, तब तक विकास के दावे खोखले ही रहेंगे। जिला प्रशासन और जनपद पंचायत से ग्रामीणों ने तत्काल कार्रवाई की मांग की है। मड़वा में मुक्तिधाम निर्माण और हटवा में पक्की सड़क बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है, ताकि ग्रामीणों को इन अमानवीय परिस्थितियों से निजात मिल सके।

# विश्व सिर और गर्दन कैंसर जागरूकता दिवस पर लगा शिविर

## इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने किया आयोजन

छतरपुर। विश्व सिर और गर्दन कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर रविवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने जिला अस्पताल में जागरूकता शिविर का आयोजन किया। शिविर में लोगों को कैंसर के बारे में जानकारी दी गई और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण भी किया गया।

शिविर में सिर और गर्दन के कैंसर के लक्षण, रोकथाम और उपचार के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। डॉ. गायत्री नामदेव, डॉ. श्वेता गर्ग और डॉ. मनोज चौधरी ने 20 मरीजों का परीक्षण किया और उन्हें उचित सलाह दी। विशेषज्ञों ने बताया कि तंबाकू, शराब, और कुछ वायरस जैसे एचपीवी के कारण सिर और गर्दन का कैंसर होने का खतरा बढ़ता है और शुरुआती जांच से इसकी रोकथाम संभव है। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण भी किया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने हिस्सा लिया। आईएमए ने भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

## जमीनी विवाद में महिलाओं के बीच हुई मारपीट, वीडियो वायरल

# पुलिस ने कराई जमीन की नाप, दोनों पक्षों की शिकायत पर जांच शुरू

छतरपुर।

मातगुंवा थाना क्षेत्र के पराचौकी तिराहा पर रविवार की सुबह जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों की महिलाओं के बीच मारपीट की घटना सामने आई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मातगुवां पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत लेकर जांच शुरू कर दी है, इसके साथ ही विवादित जमीन की नाप भी कराई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिकक सुबह करीब 9 बजे पराचौकी तिराहे पर छत्रपाल परमार और भारतभूषण यादव के बीच जमीन को लेकर विवाद हुआ। थाना प्रभारी अंकुर चौबे और राजस्व अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पटवारी से जमीन की नपाई कराई, जिसमें जमीन यादव पक्ष की पाई गई। इस दौरान दोनों पक्षों की महिलाओं के बीच हाथापाई हुई, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। एक पक्ष की रेखा सिंह परमार ने बताया कि नारायण यादव गड्ढा खोद रहा था, जिसे रोकने पर उसके पूरे परिवार ने मारपीट शुरू कर दी। करीब दो दर्जन लोगों, जिनमें गणेश यादव, भगवान दास, बबलू, नारायण, शिवप्रताप, राम प्रताप, कल्लू, कृष्णा, रेखा, विमला, वंदना, राजाबाई, सिया शामिल थे, ने उनके साथ झीना-झपटी, गाली-गलौज और मारपीट की। वहीं दूसरे पक्ष की राजाबाई यादव ने आरोप लगाया कि परमार परिवार की महिलाएं गालियां दे रही थीं और मारपीट की। उनके आभूषण छीन लिए गए। विवाद के दौरान उनके परिवार के पुरुष मौके पर आए थे।

### इनका कहना है

जमीन विवाद को लेकर दोनों पक्षों की महिलाओं में हाथापाई हुई। जमीन की नपाई में यह यादव पक्ष की निकली। दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है, और वीडियो सहित तथ्यों की जांच के बाद उचित कार्रवाई होगी।

**अंकुर चौबे, थाना प्रभारी, मातगुवां**

# कारगिल युद्ध के शहीदों की याद में किया पौधरोपण

छतरपुर।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मानव अधिकार प्रशासनिक संस्थान नई दिल्ली की छतरपुर ज़िला इकाई द्वारा बुंदेलखंड गौशाला नौगांव में वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने प्राण न्योछावर कर भारत को विजय दिलाने बाले अमर शहीदों की याद में एक वृक्ष कारगिल शहीदों के नाम से वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर भारत माता की जय एवं कारगिल शहीद अमर रहे के नारों से पूरा गौशाला परिसर गूंजता रहा।

मानवाधिकार संगठन के पंकज जैन महर्षि ने बताया कि इस वृक्षारोपण के माध्यम से कारगिल विजय की 26 वी वर्षगांठ को यादगार एवं अविस्मरणीय बनाने एवं वीर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि देने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर एक ही स्थान पर 51 फलदार एवं छायादार पौधों को लगाया गया एवं इनके विकसित होने तक इनकी देखरेख की जिम्मेदारी गौशाला प्रवन्धक संजू पाठक द्वारा ली गयी। यह वृक्षारोपण समाजसेवी गोविन्ददास असाटी प्रांतीय महासचिव वैश्य महासम्मेलन, अजय गुप्ता रिट. अस्सिस्टेंट कमिश्नर ट्रांसपोर्ट एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के संभागीय अध्यक्ष प्रकाश चंद्र जैन के मुख्य आतिथ्य तथा जिला अध्यक्ष जितेंद्र पटवा जित्तू, गौशाला प्रवन्धक संजय पाठक, आनंद अग्रवाल, राजीव गुप्ता गंधी, संजू गुप्ता नौगांव, जगदीश टिकरिया, मनोज खत्री, रामनारायण अग्रवाल, राजीव जैन, सुमित पटवा, महेंद्र प्रताप गौतम, सौरभ गोस्वामी, रामकुमार खरे, कृष्णा गुप्ता, सुरेंद्र सोनी सहित राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े विभिन्न लोग शामिल हुए एवं कारगिल शहीदों के नाम वृक्षारोपण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी।

# अवैध हथियार के साथ युवक को किया गिरफ्तार

छतरपुर।

ईशानगर पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान नौगांव रोड पर संदिग्ध व्यक्ति को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। बताया गया है कि रात्रि पेट्रोलिंग के दौरान ईशानगर पुलिस को नौगांव रोड, ग्राम कटारे का पुरवा में एक संदिग्ध व्यक्ति के अवैध हथियार के साथ होने की सूचना मिली। पुलिस ने यात्री प्रतीक्षालय के पास घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 315 बोर का एक अवैध देशी कट्टा और कारतूस बरामद हुआ। आरोपी की पहचान वीर सिंह पुत्र सुकेश यादव निवासी पचलौन पुरवा ग्राम पहाडग़ांव के रूप में हुई। जांच में पता चला कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ अपनी तस्वीरें भी वायरल की थीं। पुलिस ने आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है, और आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

# योत्सना महिला समिति ने बच्चों के लिए आयोजित किया श्लोक पाठ प्रतियोगिता

सिगरौली

एनसीएल मुख्यालय के अंतर्गत आने वाली ज्योत्सना महिला समिति ने शनिवार को बच्चों के लिए सीईटीआई परिसर में एक श्लोक पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया।प्रतियोगिता में 30 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भारतीय संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग, श्लोकों का पाठ किया। सभी उम्र के छोटे व बड़े बच्चों ने विभिन्न श्लोकों को प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में बच्चे और उनके अभिभावक शामिल हुए, जिन्होंने ज्योत्सना महिला समिति के इस पहल की सराहना भी की। इस कार्यक्रम का आयोजन समिति की अध्यक्षा श्रीमती बी. के. दुर्गा के मार्गदर्शन में किया गया । इस अवसर पर उपाध्यक्षा श्रीमती वीणा सिंह व समिति की अन्य सदस्याएँ भी मौजूद रहीं और बच्चों को प्रोत्साहित किया।श्लोक पाठ भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है, जो न केवल आध्यात्मिक ज्ञान को बढ़ाता है, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों और आत्मविश्वास का विकास करते हैं। यह आयोजन बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों व भारतीय परंपराओं से जोड़ने का एक प्रयास था।

# एनसीएल में आयोजित हुआ कोल इंडिया गोल्डन जुबली व्याख्यान पूर्व माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के चेयरमैन रवि वेंकटेशन ने दिया प्रेरणादायक व्याख्यान

सिगरौली। एनसीएल मुख्यालय में कोल इंडिया गोल्डन जुबली लेक्चर सीरीज के तहत विशेष व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के पूर्व चेयरमैन रवि वेंकटेशन ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की और एनसीएल परिवार को आज के बदलते दौर में प्रेरणादायक व्याख्यान दिया । अपने संबोधन में वेंकटेशन ने कहा कि आज दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भ्रामक जानकारी जैसे मुद्दे हमारी जिंदगी को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे समय में हमें नया सोचने और अपनी जिम्मेदारी खुद उठाने की जरूरत है व आज की दुनिया में बदलाव के साथ कदम मिलाना ज़रूरी है।उन्होंने 'ग्रोथ माइंडसेट' और आत्मनिर्भर बनने पर ज़ोर दिया। उनके मुताबिक, आज उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) सिर्फ बिजनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक कौशल के रूप में जिंदगी में आगे बढ़ने का जरिया भी है। वेंकटेशन ने जीवन में 'पोर्टफोलियो लाइफ' अपनाने की बात कही – यानी ऐसा जीवन जिसमें काम के साथ-साथ सीखना, नए अनुभव लेना और एक उद्देश्य शामिल हो। उन्होंने कहा कि आज के दौर में 50 से 75 साल की उम्र एक अच्छा और सार्थक समय हो सकता है जिसे उन्होने लाइफ का 'थर्ड चैप्टर' कहा। सत्र के अंत में उन्होंने एआई, टेक्नोलॉजी और सामाजिक परिवेश से जुड़े विभिन्न विषयों पर श्रोताओं के सवालों के जवाब दिए। कार्यक्रम की शुरुआत में एनसीएल के सीएमडी बी. साईराम ने कोल इंडिया की 50 साल की गौरवशाली यात्रा व कोल इंडिया की देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही कोल इंडिया की देश के विकास में योगदान को भी रेखांकित किया। एनसीएल के निदेशक (मानव संसाधन)मनीष कुमार ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया । कार्यक्रम में एनसीएल के निदेशकगण, जिला प्रशासन से अधिकारीगण, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, एनसीएल सहित कोल इंडिया की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों से बड़ी संख्या में कर्मी उपस्थित रहे । गौरतलब है कि कोल इंडिया लिमिटेड अपने स्वर्ण जयंती स्थापना वर्ष के तहत सभी अनुषंगी कंपनियों में गोल्डन जुबली लेक्चर सीरीज का आयोजन कर रही है।

# क्षेत्र के विकास के लिये पर्यटन अधोसंरचना को मजबूत किया जाना आवश्यकः डिप्टी सीएम

## रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के समापन दिवस पर पर्यटन विकास के विभिन्न आयामों पर हुई चर्चा

रीवा।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिये पर्यटन अधोसंरचना को मजबूत किया जाना आवश्यक है। शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधाओं की पूर्ति करते हुए पर्यटन के विकास से रोजगार सृजित होंगे और विन्ध्य उन्नति के शिखर पर होगा। उप मुख्यमंत्री ने उक्त उद्गार रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के समापन दिवस पर आयोजित प्रथम सत्र में व्यक्त किये।कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में रीवा के पर्यटन में वन्य एवं हेरीटेज विषय पर आयोजित प्रथम सत्र में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में जंगल की अधिकता है। यहाँ टाइगर रिजर्व, वन्य अभयारण्य तथा राष्ट्रीय उद्यान है। रीवा का सफेद बाघ विश्व प्रसिद्ध है। उन्होंने निवेशकों का आह्वान किया कि रीवा एवं विन्ध्य में पर्यटन की अपार संभावनाओं को दृष्टिगत रख आगे आयें। शासन स्तर से विशिष्ट अनुभव व सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने रीजनल इन्वेस्टर कॉन्क्लेव की सफलता के बाद रीजनल पर्यटन कॉन्क्लेव का आयोजन आरंभ किया है। विन्ध्य से इसकी शुरूआत हुई है। इससे पर्यटन में वृद्धि के साथ सभी हितधारकों में जागरूकता पैदा होगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि ऐसी परिस्थिति तंत्र बनाना जहाँ निवेश सुरक्षित हो, प्रक्रिया सुगम हो तथा विकास समावेशी हो। डिप्टी सीएम ने कहा कि नदियों को जोड़ने से बाढ़ की संभावना नहीं रहती इस दिशा में प्रयास जारी है।रीजनल पर्यटन कान्क्लेव के समापन दिवस पर आयोजित तीन सत्रों में पूर्व मंत्री पुष्पराज सिंह भी द्वितीय सत्र में उपस्थित रहे। इस दौरान समग्र पर्यटन अनुभव विषय पर विस्तार से विचार विमर्श हुआ। इस दौरान राज्य पर्यटन विकास बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी ने अतिथियों को पर्यटन की संभावनाओं से परिचित कराया। समापन दिवस पर आयोजित सत्रों में डेलीगेट्स राकेश माथुर, रिषी सूर्या पुरी, अतुल पाण्डेय, डॉ. अनुपम सहाय, समीर बजाज, रोहित चोपड़ा, अनिल अग्रवाल, सिद्धर्थ जोशी, गजेन्द्र सिंह, अमित दिग्विजय सिंह, महेन्द्र प्रताप सिंह तथा फिल्म कलाकार मुकेश तिवारी में अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान अतिरिक्त प्रबंध संचालक विदिशा मुकर्जी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों से आये प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दिये। पर्यटन मंत्री ने प्राप्त सुझावों को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिये। इस दौरान कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी राजेश सिंह, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर सहित प्रशासनिक अधिकारी व प्रतिभागी उपस्थित रहे। बॉक्स प्रदेश उत्तरदायी व सुरक्षित पर्यटन में प्रथम स्थानइस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ाने के विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। हेलीसर्विस भी इस दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश उत्तरदायी व सुरक्षित पर्यटन में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विन्ध्य विकास के साथ पर्यटन की ऊंचाईओं को छुएगा। मंत्री लोधी ने निवेशकों को निवेश के लिये आमंत्रित किया तथा कहा कि प्रदेश सरकार हर संभव मदद के लिये संकल्पित है।बॉक्स आने वाले 15 वर्षों में रीवा का बेहतर से बेहतर स्वरूप देखने को मिलेगाप्रमुख सचिव पर्यटन शिव शेखर शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में पुरातत्व संरक्षित है जरूरत है कि इसे संवार कर दुनिया को दिखाया जाय। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के सभी स्तर पर कार्य हो रहे हैं। पर्यटन व संस्कृति मुख्यमंत्री के मन में बसती है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल रीवा के विकसित व व्यवस्थित करने के लिये अनेक कार्य कर रहे है आने वाले 15 वर्षों में रीवा का बेहतर से बेहतर स्वरूप देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि माँ गंगा से माँ नर्मदा तक थीम पर श्रद्धालुओं को रीवा होकर मध्यप्रदेश आने का आमंत्रण है।बॉक्स विन्ध्य में तीन हजार करोड़ के निवेश से होगा पर्यटन का विकासरीवा में 26 और 27 जुलाई को रीजनल पर्यटन कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। कॉन्क्लेव में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े 600 से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई। कॉन्क्लेव में रीवा और शहडोल संभाग के पर्यटन स्थलों में लगभग तीन हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव पर्यटन विकास निगम को मिले हैं। विन्ध्य में हवाई सेवा के विस्तार के लिए फ्लाई ओला के मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीराम ओला ने 700 करोड़ रुपए के निवेश की इच्छा व्यक्त की है। कॉन्क्लेव में आरसीआरसीपीएल और विन्ध्य प्राइड के संचालक श्री दिव्यांश सिंह बघेल ने 500 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव रखा है। विन्ध्य में पर्यटन के किवास के लिए अमित दिग्विजय सिंह ने 500 करोड़ रुपए तथा समदड़िया बिल्डर्स ने 300 करोड़ रुपए का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। पर्यटन कॉन्क्लेव में विन्ध्य के पर्यटन स्थलों में मूलभूत सुविधाओं, होमस्टे, एडवेंचर्स गेम, वाटर गेम, होटल निर्माण तथा रिसॉर्ट के विकास के भी कई प्रस्ताव मिले हैं। जंगल कैंप इंडिया के संचालक गजेन्द्र सिंह राठौर ने 150 करोड़,गौरव प्रताप सिंह ने 100 करोड़ तथा पुष्पराज सिंह ने 100 करोड़ का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। राजस्थान फोर्ट एण्ड पैलेस के मैनेजिंग डायरेक्टर मानवेन्द्र सिंह शेखावत ने हेरिटेज प्रापर्टी के क्षेत्र में 100 करोड़ रुपए के निवेश की मंशा जाहिर की है। अनुज प्रताप सिंह ने 80 करोड़ तथा अनिल अग्रवाल ने 150 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव कॉन्क्लेव में प्रस्तुत किए। इसके अलावा भी अनेक निवेशकों ने पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी सुविधाओं के विकास के लिए निवेश की मंशा जाहिर की है। पर्यटन के क्षेत्र में बड़े निवेश से रीवा और शहडोल क्षेत्र में उपलब्ध पर्यटन की संभावनाएं फलीभूत होंगी। यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य, वन्यप्राणियों, सांस्कृतिक विरासत, लोक कला और ग्रामीण पर्यटन को विकास का अवसर मिलेगा। पर्यटन के क्षेत्र में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

### खबर संक्षेप

## दौड़ते ट्रक में अचानक लगी भीषण आग, दमकल ने पाया काबू

**रीवा।** शहर के बजरंग नगर के समीप शनिवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक तेज़ रफ्तार ट्रक में अचानक आग भड़क उठी। यह ट्रक रतहरा से चोरहटा की ओर जा रहा था और जैसे ही बजरंग नगर मोड़ के समीप स्थित पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा, तभी इसके केबिन से धुएं के गुबार उठने लगे। महज कुछ ही क्षणों में ट्रक का अगला हिस्सा आग की लपटों में घिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर मौके पर दमकल वाहन तुरंत पहुंचा और आग को फैलने से पहले ही काबू में कर लिया गया, जिससे एक बड़ी जन-हानि टल गई। घटनास्थल से प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक चालक और खलासी ने समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचा ली। हालांकि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। दमकल कर्मियों ने सूझबूझ से आग पर नियंत्रण पाकर ट्रक में लदे माल को सुरक्षित बचा लिया, वरना आग का विकराल रूप ट्रक के पिछले हिस्से तक फैल सकता था और स्थिति अत्यंत भयावह हो सकती थी। फिलहाल, आग लगने के स्पष्ट कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है, इस घटना ने एक बार फिर से शहर में रात के समय भारी वाहनों की आवाजाही पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि नियमानुसार रात्रिकालीन समय में भारी वाहनों को शहर के बाईपास मार्ग से होकर गुजरना अनिवार्य है, किंतु अधिकांश ट्रक चालक यातायात नियमों को दरकिनार कर शहर के मुख्य मार्गों से ही आवाजाही कर रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और भी बढ़ जाती है।

## जिले में अब तक हुई 1.75 लाख हेक्टेयर में फसलों की बोनी

**रीवा।** रीवा जिले की सभी तहसीलों में खरीफ फसल की बोनी का कार्य तेजी से जारी है। खरीफ की मुख्य फसल धान है। जिले में पिछले 15 दिनों से लगातार अच्छी वर्षा के कारण धान की रोपाई तेजी से हो रही है। जिले में वर्ष 2025 में खरीफ फसल के लिए 2 लाख 37 हजार 500 हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से सर्वाधिक क्षेत्र एक लाख 67 हजार 328 हेक्टेयर धान का है। जिले में अब तक एक लाख 75 हजार 720 हेक्टेयर में विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है। इसमें से धान का कुल रकबा एक लाख 7 हजार 250 हेक्टेयर है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि हाल ही में अच्छी वर्षा से धान की रोपाई में तेजी आई है। जिले में अब तक 2300 हेक्टेयर में ज्वार, 800 हेक्टेयर में मक्का, 1600 हेक्टेयर में बाजरा, 3150 हेक्टेयर में कोदौ-कुटकी की बोनी हो चुकी है। दलहनी फसलों में 14690 हेक्टेयर में अरहर, 15770 हेक्टेयर में मूंग, 20500 हेक्टेयर में उड़द की बोनी हो चुकी है। तिलहनी फसलों में 9470 हेक्टेयर में तिल तथा 740 हेक्टेयर में सोयाबीन बोया गया है। पानी की पर्याप्त उपलब्धता हो गई है। अब किसान भाई धान की रोपाई शीघ्र पूरी करें। खरीफ की फसलों में खरपतवार नियंत्रण तथा कीट नियंत्रण के प्रभावी उपाय करें। धान की रोपाई पूरी होते ही जिले में लक्ष्य के अनुसार क्षेत्राच्छादन पूरा हो जाएगा।

## पुरानी रंजिश ने फिर पकड़ा उबाल, मकान निर्माण को लेकर लाठी-डंडों से हमला, रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के पटना की घटना

रीवा।

जिले के रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र अंतर्गत पटना गांव में रामनिवास वर्मा पिता स्वर्गीय शिवशंकर वर्मा पुराने मकान को गिराकर नए मकान का निर्माण करवा रहे थे जिसे लेकर शनिवार को पड़ोसी से उनका विवाद हुआ और देखते ही देखते उनके परिवार पर लाठी डंडा से हमला कर दिया गया। आरोप है कि पड़ोसी सतीश वर्मा उर्फ गुल्लू , रजनीश वर्मा उर्फ पिंटू और इनकी मां सावित्री वर्मा के द्वारा पुरानी रंजिश के कारण रामनिवास वर्मा , राजेश वर्मा पिता केदार नाथ वर्मा, अनिकेत वर्मा एवं परिवार के सभी महिलाओं और बच्चों के ऊपर ट्रेक्टर मिक्सर मशीन रोड से न निकालने का विवाद करते हुए लाठी डंडों से हमला कर दिया गया और घर के अंदर घुसकर महिलाओं और बच्चों के साथ भी जमकर मारपीट की गई है। जिसकी शिकायत फरियादी रामनिवास वर्मा ने थाना रायपुर कर्चुलियान में दर्ज करवाई है । मारपीट में अनिकेत वर्मा और राजेश वर्मा को गंभीर चोटें आई है, जिन्हे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया है। फिलहाल पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है।

## झाड़-फूंक के बहाने किया दुष्कर्म, वीडियो बनाकर दो साल तक करता रहा ब्लैकमेल, पीड़िता ने अपने ही जेठ पर लगाया गंभीर आरोप, कहा पति और बच्चों की हत्या की दी थी धमकी

**रीवा।** जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र की एक महिला ने झाडफ़ूक के नाम पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए शिकायत की है कि आरोपी उसका अशील वीडियो भी बनाया है, और उसे ब्लैकमेल कर रहा है। महिला ने रिश्ते में जेठ लगने वाले शख्स पर रेप करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ 2 साल पहले दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। जिसके बाद उसने धमकी दी थी कि अगर वह इस संबंध में किसी को बताई तो उसके पति और बच्चे को जान से मार देगा। पीड़ित महिला की शिकायत पर बैकुंठपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे अभिरक्षा में लेकर पूंछताछ शुरू कर दी है। पीड़ित महिला की माने तो आरोपी ससुराल पक्ष की ओर से रिश्ते में जेठ लगता है जबकि मायके पक्ष की ओर से वह रिश्ते में उसका मौसा लगता है। बताया गया कि पीड़ित महिला आरोपी से पूर्व की परिचित थी जिसके चलते उसका अक्सर घर आना जाना भी हुआ करता था। पीड़िता के मुताबिक 2 वर्ष पूर्व आरोपी ने उसके साथ रेप की घटना को अंजाम दिया और घटना का वीडियो बना उसे ब्लैकमेल करने लगा, साथ ही घटना का किसी से भी जिक्र करने पर उसके बच्चे और पति को जान से मारने की धमकी दी। आरोपी द्वारा लगातार ब्लैकमेल कर की जा रही दुष्कर्म की घटना से परेशान होकर पीड़िता ने शुक्रवार की रात बैकुंठपुर थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी जेपी पटेल के मुताबिक आरोपी द्वारा झाडफ़ूंक के नाम पर महिला को घर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया जा रहा था। महिला की शिकायत पर मामला पंजीबद्ध कर कार्रवाई की जा रही है।

## रीवा को राजस्व के क्षेत्र में अव्वल बनाने में एसडीएम कार्यालय की होगी महत्वपूर्ण भूमिका, उप मुख्यमंत्री ने एसडीएम हुजूर कार्यालय भवन का किया लोकार्पण

**रीवा।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कालेज चौराहा के समीप नवनिर्मित एसडीएम हुजूर कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना करके इसका लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमें कार्य करने के लिए अच्छा भवन और उचित सुविधाएं मिलती हैं तो हमें पूरी कार्यक्षमता से कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। नवनिर्मित एसडीएम कार्यालय भवन संभवतः प्रदेश में सबसे सुसज्जित एसडीएम कार्यालय है। रीवा के कलेक्ट्रेट और नवीन न्यायालय भवन को भी सबसे अनूठा बताया गया है। अब नए भवन में पटवारियों को बैठने के लिए उचित स्थान मिल रहा है। आमजनता को सरलता से पटवारी मिल जाएंगे। व्यवस्थित मीटिंग हाल में योजनाओं की प्रभावी समीक्षा होगी। रीवा को हर क्षेत्र की तरह राजस्व क्षेत्र में भी अव्वल बनाना है। इसमें एसडीएम कार्यालय हुजूर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नए भवन में प्रत्येक कोर्ट के बाहर प्रकरणों की सुनवाई के संबंध में भी विवरण प्रदर्शित किया जाएगा। इससे पक्षकारों और वकीलों को बड़ी सुविधा मिलेगी। हम सबका मूल उद्देश्य आमजनता की सेवा करना है। इस भवन में यदि कोई पीड़ति और परेशान आए तथा अपनी परेशानी मिटाकर मुस्कान लेकर लौटे यही सच्ची सफलता होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भवन में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। दो बड़े मीटिंग हाल, तीन ओर से प्रवेश की सुविधा, पार्किंग तथा अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। अच्छे भवन निर्माण के लिए मैं पीआईयू के अधिकारियों और निगरानी के लिए राजस्व अधिकारियों को बधाई देता हु। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, राजेश पाण्डेय, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, नायब तहसीलदार विन्ध्या मिश्रा, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।बॉक्स एक अगस्त से चार राजस्व अधिकारी दिनभर केवल राजस्व प्रकरणों की सुनवाई करेंगेकार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने कहा कि उप मुख्यमंत्री रीवा के सतत विकास के लिए प्रयासरत हैं। यह कार्यालय भी आपके प्रयासों का ही परिणाम है। मध्यप्रदेश में कहीं भी इतना व्यवस्थित और आधुनिक एसडीएम कार्यालय नहीं है। यह आफिस पूरे प्रदेश के लिए रोल माडल बनेगा। एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने कार्यक्रम में कहा कि नवीन भवन में आमजनता के लिए मीटिंग रूम, पटवारियों के लिए कक्ष तथा डिजिटल नकल की भी सुविधा दी जा रही है। शासन के निर्देशों के अनुसार यहाँ एक अगस्त से चार राजस्व अधिकारी दिनभर केवल राजस्व प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण पीआईयू वर्मा ने बताया कि नवीन भवन का निर्माण सात करोड़ 82 लाख 8 हजार रुपए की लागत से किया गया है। इसमें तीन तलों में कुल 36 हजार वर्गफिट स्थान उपलब्ध है।

## किसानी के ऐन वक्त पर खाद के लिए परेशान हो रहे हैं कृषक

रीवा ।

जिला किसान कांग्रेस कमेटी रीवा के अध्यक्ष नृपेन्द्र सिंह पिन्टू ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस समय रीवा और मऊगंज जिले का किसान खाद के लिए भटक रहा है धान की बोनी के बाद खाद नही मिलने से छिड़काव नही हो पा रहा है जिससे किसान परेशान है उसे अपनी फसल खराब होने का डर सता रहा है लेकिन किसान हितैषी होने का राग अलापने वाली भाजपा सरकार इसके लिए संवेदनशील नही है जिले का प्रशासन और शासन इन्वेस्टर्स मीट और स्वागत मे व्यस्त है होर्डिंग पोस्टर लगाए जा रहे हैं किसानों की चिन्ता किसी को नही है सेवा सहकारी समितियों मे खाद नही पहुंच रही है बात करने पर जबाब मिलता है कि रैक नही लगा आखिर रैक कब लगेगा जब फसल खराब हो जाएगी। इस बात को किसान हित में सत्ताधारी नही उठा रहें हैं मजबूर होकर किसान दोगुने दाम पर बाजार से अमानक खाद खरीद रहा है जिसकी गुणवत्ता की कोई गारंटी नही है। बिचौलिए अमानक खाद बेंच कर किसानों को लूट रहे हैं। इसी तरह आवारा मवेशियों की समस्या भी है। कलेक्टर मऊगंज का एक आदेश था जिसे पूर्व कलेक्टर ने जारी किया था कि जिसके भी आवारा मवेशी चिन्हित होंगे और वह खुले में पाए जाएंगे उस पर ग्राम पंचायत जुर्माना सहित वैधानिक कार्यवाही करेगी यह सभी आदेश रद्दी की टोकरी में चले गए हैं। इसका कोई क्रियान्वयन नही हुआ और न ही आगे होगा आखिर किसान कहां जाए किससे फरियाद करे किसान की याद केवल चुनाव के समय क्यो आती है सरकार को, इस विज्ञप्ति के माध्यम से जिला प्रशासन रीवा और मऊगंज से अपील है कि संवेदनशीलता दिखाते हुए किसानो को शीघ्र खाद उपलब्ध कराए साथ ही साथ आवारा मवेशियों को लेकर उचित वैधानिक कार्यवाही हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करे। श्री सिंह ने कहा कि अगर ग्राम पंचायत को इसमें सख्त कर दिया जाए तो कुछ हद तक समस्या का निराकरण हो सकता है।

## घुमंतू मवेशियों को पकड़ने की गई कार्यवाही

**कटनी।** कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुपालन एवं निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देशन में नगर निगम की हांका गेंग के कर्मचारियों द्वारा शुक्रवार को अभियान चलाकर घुमंतू गौवंशों को कांजी हाउस भेजने की कार्यवाही निरंतर जारी है। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि अभियान के तहत गठित दल के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा विगत रात्रि मुख्य मार्गों से 10 आवारा घुमंतू मवेशियों को कांजीहाउस भेजा गया है तथा 32 मवेशियों को रेडियम पट्टी लगाने की कार्यवाही की गई है।वहीं अब तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों मिशन चौक, बरगवां, माधवनगर गेट रिलायन्स पेट्रोल पंप से कलेक्ट्रेट कार्यालय होते हुए मित्तल मॉल, बिलहरी मोड़ से पीरबाबा तक सहित नदीपार स्थित चांडक चौक पेट्रोल पंप के पास रविदास चौराहा से इंडिया होटल, कुठला मुख्य मार्ग एवं नगर के अन्य मार्गो के घुमंतु मवेशियों को हांका लगाकर मुख्य मार्गो से हटाते हुए अब तक 226 गौवंशों एवं नंदी को झिंझरी स्थित कांजी हाउस व अमीरगंज स्थित गोशाला भेजने की कार्यवाही की गई है।

## मऊगंज में छात्रावासों में फर्जी उपस्थिति के नाम पर विभाग में चल रहा बड़ा खेल

### विभागीय जिम्मेदारों की अनदेखी से योजनाओं में पलीता लगाए जाने का आरोप

**मऊगंज।** जिलेभर मे आजाक विभाग सहित अन्य विभागों के छात्रावासों के नाम पर कई संस्थाओं का संचालन हो रहा है। किंतु यहां छात्रावासों के रिकॉर्ड में जिम्मेदारों द्वारा जो स्थिति दिखाई जाती है वह होती नहीं है। क्योंकि मॉनिटरिंग नहीं होती इसलिए सही जानकारी प्रकाश में नहीं आती। जुलाई माह का अंतिम पखवाड़ा चल रहा है लेकिन छात्रावास में दर्ज छात्रों के तुलना में उपस्थिति बिल्कुल कम है।और छात्रावास के जिम्मेदारों द्वारा छात्रों की पर्याप्त उपस्थित रजिस्टर में दर्ज की जा रही है। यही कारण है कि अनुपस्थित छात्रों की उपस्थिति दर्ज कर उनके नाम पर खर्च होने वाले बजट का बंदरबांट कर लिया जाता है। यह सब जिम्मेदार विभाग के जिम्मेदारों की मिली भगत से होता है। क्योंकि बजट तो जिला स्तर से जारी होता है। छात्रों के नाम पर कितना बजट मिलता है और कितने छात्रों की उपस्थिति के नाम पर उसे प्रतिमाह व्यय किया जाता है। यह सब यदि पता किया जाए तो छात्रावासों के नाम पर व्यापक पैमाने पर खेल हो रहा है। किंतु विभागीय अधिकारियों का नियम अनुसार इस पर ध्यान नहीं जाता।

### छात्रावास में रहते हैं नाम मात्र छात्र, किंतु रिकॉर्ड में अधिक

बताया गया है कि अनुसूचित जाति बालक बालिका एवं कस्तूरबा गांधी जैसे जिले में संचालित छात्रावासों में निर्धारित सीटों के अनुसार छात्र संख्या दर्ज की जाती है। किंतु जब मौके पर देखा जाए तो यह संख्या आधी या चौथाई भी नहीं होती इसका मतलब है कि जिन छात्रों की फर्जी उपस्थिति दिखाई जाती है। उसके नाम पर रिकॉर्ड में मनमानी खर्च दिखाकर राशि हजम की जाती है। सबसे खराब स्थिति अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति छात्रावासों की है जहां जिम्मेदार अधीक्षकों एवं मंडल संयोजकों द्वारा शासन के आदेश एवं योजना को जमीनी रूप देने के लिए जिम्मेदारी नहीं निभाई जाती।यदि कोई छात्रावास 50 सीटर है तो वहां उपस्थित सत प्रतिशत या उससे कुछ कम दिखाई जाती है। जबकि वास्तविक उपस्थिति बहुत कम होती है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक के छात्रावासों में भी यही खेल होता है। जहां हर महीने कई लाख का बंदरबांट हो जाता है। इस तरह की उपस्थिति का मतलब है कि फर्जी उपस्थिति दिखाकर छात्रों के नाम पर मिलने वाले बजट का बंदरबांट किया जाना इस गणित से समझा जा सकता है। कि छात्रावास में किस तरह का खेल खेला जा रहा है। बताया जाता है कि एक छात्र के नाम पर एक निश्चित बड़ी राशि जारी की जाती है। किंतु जब छात्रावास में जिन छात्रों के नाम पर फर्जी उपस्थिति दर्ज की जाती है। तो समझा जा सकता है की प्रति छात्र के नाम पर हर महीने कितना बड़ा खेल किया जाता है।

### नहीं मिलते मौके पर जिम्मेदार

जब कोई कभी पड़ताल करने भी पहुंचता है। तो उसे बता दिया जाता है की अधीक्षक साहब बाजार में राशन लेने गए हैं या विशेष कार्य से अन्यत्र गए हैं जबकि अधीक्षक छात्रावासों में यदाकदा ही पहुंचते हैं। रात में तो जिम्मेदार अधीक्षक छात्रावास में कभी नहीं रुकते। कुछ अधीक्षक तो ऐसे हैं कि जिनका निवास मुख्यालय से बाहर रहता है और पदस्थापना दूरस्थ छात्रावास में है। बताया तो यह भी जाता है कि बच्चों को मीनू के अनुसार नाश्ता एवं खाना भी नहीं मिलता है। जबकि यदि जांच की जाए तो खुद-ब-खुद हकीकत सामने आ जाएगी।

### अन्य छात्रावासों की क्या होगी स्थिति

जब छात्रावासों की स्थिति इतनी बदतर है तो समझा जा सकता है कि वहां बच्चों की हालत क्या होगी। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के नाम पर इस तरह के छात्रावासों का संचालन इसलिए हो रहा है ताकि यहां बच्चों को सुविधाजनक तरीके से रखा जा सके। वह अपनी पढ़ाई कर सके। और शिक्षित बन सके। उन्हें आवास एवं भोजन आदि की चिंता से मुक्त रखा जा सके। किंतु जहां सुविधा के नाम पर असुविधा होगी बच्चों को खाना एवं नाश्ता समय पर नहीं मिलेगा इतना ही नहीं गुणवत्ता के अनुसार नहीं मिलेगा इसी तरह सोने के लिए शासन की योजना अनुसार बिस्तर नहीं मिलेंगे। पढ़ने के लिए फर्नीचर नहीं उपलब्ध होगा। पेयजल एवं अन्य सुविधाओं का अभाव होगा नियमित रूप से छात्रावासों की मॉनिटरिंग नहीं होगी यदि होगी तो दिखाने के लिए खाना पूर्ति के रूप में सब कुछ ओके बता दिया जाएगा। इस तरह की स्थिति जहां होगी वहां एसटी एसएसटी के छात्रावासों के संचालन का योजनानुसार औचित्य साबित नहीं हो सकता। सवाल यह भी है के एसटी एसएसटी के बच्चों की शिक्षा स्वास्थ्य और आदि योजनाओं में सुविधा देने के नाम पर तो जिम्मेदारों द्वारा बड़ी-बड़ी बातें की जाती है यहां तक की साशन की तरफ से पर्याप्त बजट भी उपलब्ध करवाया जाता है। किंतु जहां इस तरह की योजनाओं का संचालन किया जाता है। वहां मौके पर जो दिखता है वह चौंकाने वाला होता है।